जूट–एक सफल उद्योग

कृषि कुंभ (जुलाई 2023),
खण्ड 03 भाग 02, पृष्ठ संख्या 24–27

जूट–एक सफल उद्योग

स्वपनिल सिंह एवं पल्लवी सिंह
पी.एच.डी. शोध छात्रा
संसाधन प्रबन्धन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय,
आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या, भारत।
Email Id: swapnilsing7233@gmail.com

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रयास से जूट उद्योग को कुछ उम्मीद सी जगी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जूट से सम्बन्धित विविध पक्षों जैसे अनुसंधान एवं विकास, रोजगार वृद्धि, विविध प्रयोग, उन्नत खेती इत्यादि को प्रोत्साहित करना है। जूट के परम्परागत बाजार पर पालिप्रोपलीन उद्योग का कब्जा शुरू होने से उत्पन्न समस्याओं से निजात दिलाने के लिये संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

चलाया गया है। इस कार्यक्रम के अर्न्तगत जूट उद्योग को 2 करोड़ रूपये दिये गये है तथा उसमें भारत सरकार की हिस्सेदारी भी बराबर की गई है। अनुसन्धान के क्षेत्र में भी इस कार्यक्रम को सफलता मिली है। पूँजी और वित्त की समस्या को दूर करने के लिए नौवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत 50 लाख रूपये तक ब्याजरहित ऋण की व्यवस्था जूट उद्योग के लिये की गई है।

जूट का उत्पादन–मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल के रिपोर्ट के अनुसार शॉपिंग बैग, लेडीज बैग, स्कूल बैग, जेंट्स हैंडबैग, जूट बंबू फोल्डर सालाना उत्पादन किया जा सकता है तथा अब जरूरत है तो इसको बेचने की क्योंकि जूट उत्पादन के व्यवसाय में उत्पादन करना तो आसान है लेकिन मार्केटिंग करना उतना ही कठिन है।

आवश्यक मशीन एवं उपकरण– जूट उद्योग व्यवसाय में कच्चे माल के तौर पर उपयोग होने वाली प्रमुख वस्तु जूट फेब्रिक रोल है एवं प्रयुक्त होने वाली मशीनरी उपकरण निम्न है–

1) फैब्रिक कटिंग मशीन
2) हैवी ड्यूटी सिलाई मशीन

3) सामान्य सिलाई मशीन
4) प्रिंटिंग के लिए स्टंसिल इक्यूपमेंट

जूटः

जूट के रेशे से बोरे, दरी, तम्बू, तिरपाल, टाट, रस्सियाँ, निम्नकोटि के कपड़े तथा कागज बनाने के काम आता है।

जूट के बैग– जूट के बैग बनाने का व्यापार एक ऐसा व्यापार है, जहां पर एक निश्चित सामग्री से अनेकों तरह की वस्तुओं का निर्माण करके मुनाफा कमाया जा सकता है।

जूट के कच्चे माल से हम अलग–अलग तरह के बैग और थैलियां बना सकते हैं जूट से बनने वाले बैग्स और उनके उपयोग निम्न प्रकार से है–

शॉपिंग बैग्स– जूट के इस्तेमाल से हम शॉपिंग बैग्स का निर्माण कर सकते है, इन बैग्स का इस्तेमाल हम बाजार में खरीददारी करने के लिए कर सकते है। यह बहुत मजबूत और टिकाऊ होते है तथा काफी लंबे समय तक बिना फटे काम आते है।

फैंसी हैंडबैग– जूट के द्वारा हम लेडीज के काम आने वाले फैंसी हैंड बैग का निर्माण कर सकते है। यह बैग्स बहुत ही दिखने में आकर्षित होते है।

बॉटल बैग्स– जूट के द्वारा बोतल के बैग्स भी बनते है इन बैग्स में पीने वाली

पानी की बॉटल को सुरक्षा के साथ रखा जा सकता है।

मार्केटिंग बैग्स– व्यापार की मार्केटिंग के करने के वर्तमान समय में दुकानदार जूट के बैग्स पर अपने व्यापार और दुकान का नाम लिख कर ग्राहक को देते है, जिससे वह जूट बैग्स की सहायता से वे अपने व्यापार का प्रचार करते है।

जूट के बैग बनाने में प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल

1) जूट फैब्रिक
2) डाई, प्रिंटिंग, गम
3) सिलाई धागा (नायलॉन)
4) हैंडल
5) पीपीसी बकल, पैकिंग सामग्री और लेबल

जूट के बैग बनाने का तरीका

- सबसे पहले जूट के रेशों को अच्डी तरीके से साफ कर ले या जूट का कपड़ा भी सीधे बाजार से खरीद सकते है।

- जूट का कपड़ा बाजार से खरीदने पर बहुत ज्यादा महंगा पड़ता है, इसके लिये जूट का कपड़ा बनाने वाली मशीन भी फैक्ट्री में लगा सकते है, जिससे व्यवसाय करने में सरलता तथा कम लागत आयेगी।

- कपड़ा खरीदने या तैयार हो जाने के बाद किसी भी प्रकार का बैग फैक्ट्री में बनाया जा सकता है और प्रिंटिग प्रेस में भी छपवा सकते है। छपवाने के बाद उसे अच्छी तरीके से सूरज की रोशनी में सूखने के लिए छोड़ देना चाहिए। जूट के बैग बनाने में इस प्रक्रिया में अधिक खर्चा नहीं आता है।

- सूखने के बाद बैग को किस तरह का आकार देना, उस आकार में कपड़े को कैंची की सहायता से काट लें और हैवी मशीन की सहायता से अच्छी तरीके से टांके लगा लें।

- यदि बैग पर कोई भी फैंसी सामग्री लगाना है, तो वह लॉजिस्टिक मशीन की सहायता से लगाया जा सकता है। तत्पश्चात बैग पर मैनुअली रूप से बांस की सीढ़ी या अन्य

आवश्यकतानुसार सामग्री को लगाना होता है।

- इसके बाद बैग बाजार में बिकने के लिये तैयार होता है एक अच्छा डिजाइन तैयार करके उस पर एक अच्छी कीमत भी प्राप्त कर सकते है।

जूट के लाभ

- यह सबसे सस्ती प्राकृतिक सामग्रियों में से एक है।
- जूट बैग में उत्पादों को ले जाना स्वच्छता के लिये कोई खतरा नहीं है।
- जूट बैग को कई बार इस्तेमाल किया जा सकता है। प्लास्टिक की थैलियों को केवल एक ही बार उपयोग में लाया जा सकता है।
- जूट बैग लंबे समय तक अपनी चमक को बनाए रखने में सक्षम हैं क्योंकि जूट बैग प्राकृतिक फाइबर से बने होते है और इस प्रकार लंबी अवधि के लिए अपनी ताकत रखने में सक्षम होते हैं।
- जूट फाइबर 100 प्रतिशत् बायो–डिग्रेडेबल और रिसाइकिल करने योग्य है तथा इस प्रकार यह पर्यावरण के अनुकूल है।
- जूट में एक विशेष प्रकार की चमक होती है इसलिए जूट को गोल्डन फाइबर भी कहा जाता है।
- जूट की सबसे अच्छी किस्में है बांगला तोशा कोरकोरस ऑलिटोरियस (गोल्डन शाइन) और बांग्ला व्हाइट – कोरकोरस कैटसुलरिस (व्हाइटिश शाइन), और मेस्टा या केनाफ (हिबिस्कस कैनबिक्स) मध्यम गुणवत्ता वाले जूट के समान फाइबर वाली एक अन्य प्रजाति है।

निष्कर्ष

जूट उद्योग के बारे में अन्ततः यह कहा जा सकता है कि जूट का प्रमुख उत्पादक देश भारत है और बड़ा निर्यातक बांग्लादेश है, जो अपनी प्राकृतिक उपजाऊ मिट्टी के कारण है। जूट के सामान का लगभग 75 प्रतिशत पैकेजिंग सामग्री के रूप में उपयोग किया जाता है।

जूट का तीसरा प्रमुख आउटलेट कार्पेट बैंकिग क्लॉथ का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान समय में जूट के सामान की लगभग 15 प्रतिशत हिस्सेदारी है और शेष उत्पाद औद्योगिक उपयोग के लिए कालीन यार्न, कॉर्डेज, फेल्ट, पैडिंग, सुतली, रस्सी, सजावटी कपड़े और भारी शुल्क वाली विविध वस्तुएं है। भारत सरकार द्वारा उपभोक्ता बैगिंग के लिए प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जूट बैग अब बाजार का एक अहम हिस्सा बन गया है।